

अनावर्तक वि. (तत्.) [अन+आवर्तक] 1. जो बार-बार न हो, जिसकी पुनरावृत्ति न हो 2. जो एक ही बार दिया, किया जाए। non-recurring

अनावर्तन पुं. (तत्.) 1. न लौटना, वापस न आना। 2. पुनर्जन्म न होना 3. बार-बार न होना 4. पुनरावृत्ति न होना।

अनावर्ती वि. (तत्.) स्त्री. जो बार-बार न हो, जिसकी आवृत्ति न हो, जो किसी समयावधि में एक ही बार हो जैसे- अनावर्ती व्यय।

अनावर्ती अनुदान पुं. (तत्.) ऐसा अनुदान या ऐसी आर्थिक सहायता जो बार-बार न दी जाने वाली हो। non-recurring grant

अनावर्षण पुं. (तत्.) 1. वर्षा का अभाव, बारिश न होना। 2. सूखापड़ना विलो. अतिवर्षण/ अतिवृष्टि।

अनावश्यक वि. (तत्.) जिसकी आवश्यकता न हो, निष्प्रयोजन। अनभीष्ट, अवांछनीय।

अनावश्यकता स्त्री. (तत्.) आवश्यकता का न होना, जरूरत न होने की स्थिति।

अनावासिक वि. (तत्.) [आवास+इक=आवसिक (अन+आवासिक)] जिस किसी संस्था/प्रतिष्ठान/शैक्षणिक विभाग आदि में निवास करने की व्यवस्था न हो, आवासरहित, गैर-रिहायशी उदा.

1. यह तकनीक शिक्षा संस्थान अनावासिक है 2. अनावासिक विभाग।

अनावासी वि. (तत्.) [आवास+इन प्रत्यय= आवासी अन+आवासी] 1. जो किसी स्थान पर स्थायी रूप से निवास करने वाला न हो। 2. जो अपने देश से जाकर किसी अन्य देश में अस्थायी रूप से विधिक व्यवस्था के तहत बस गया हो।

अनाविल(अनाविल) वि. (तत्.) जो आबिल अर्थात् पंकिल या मटोला न हो 1. अपंकिल, स्वच्छ, निष्कलुष 2. स्वास्थ्यकर 3. स्पष्ट।

अनावृत वि. (तत्.) 1. जो ढका न हो, आवरण-रहित 2. उद्भासित।

अनावृतन पुं. (तत्.) [अन+आवृतन] 1. किसी वस्तु के ऊपर के आवरण को हटाना 2. किसी आवृत वस्तु के आवरण को पूरी तरह हटाना 3. भूमि या ज़मीन के ऊपरी सतह की मिट्टी का

वर्षा, नदी, हवा आदि के प्राकृतिक प्रभाव से, इस प्रकार हट जाना जिससे उसका पथरीला अंश ऊपर निकला हुआ दिखाई दे। 4. किसी रहस्य या तथ्य को पूरी तरह खोल देना/स्पष्ट कर देना।

अनावृत-बीजी वि. (तत्.) (वन) पुष्पी पादपों के दो विशाल वर्गों में से एक जिसके बीज ढँके हुए नहीं होते। जैसे- चीड़ के बीज विलो. आवृतबीजी।

अनावृत वाचनालय वि. (तत्.) खुले अध्ययन-कक्ष वाला पुस्तकालय।

अनावृत्त वि. (तत्.) 1. न लौटा हुआ, पीछे न हटा हुआ 2. जिसकी आवृत्ति न की गई हो 3. जिसे दोहराया न गया हो।

अनावृत्ति स्त्री. (तत्.) 1. दुबारा न होने या किए जाने की स्थिति, संसार में दुबारा न आना 2. मोक्ष।

अनावृष्टि स्त्री. (तत्.) वर्षा का अभाव, सूखा।

अनावेदित वि. (तत्.) [अन+आवेदित] 1. जिस पर आवेदन न किया गया हो। 2. जो आवेदित न किया जा सका हो जैसे- अनावेदित-प्रपत्र विलो. आवेदित।

अनाश वि. (तत्.) 1. जिसका नाश न हो 2. जिसे नष्ट न किया गया हो 3. जीवित 4. आश-रहित, निराश।

अनाशक वि. (तत्.) 1. अनश्वर 2. हानि न करने वाला, नष्ट न करने वाला पुं. (तत्.) 1. अशन न करने वाला, उपवासी 2. अभीष्ट भोग का अभाव।

अनाशस्त वि. (तत्.) जो आशंसित या प्रशंसित न हो, अप्रशंसित।

अनाशी वि. (तत्.) [न=अ+नाशी] 1. जिसका नाश न हो सकता हो, अनश्वर 2. जो नाश रहित हो, अमर, अविनाशी जैसे- ईश्वर अंश जीव भी अनाशी है। ईश्वर अंश जीव अविनाशी, चेतन अमल सहज सुखरासी-तुलसीदास-रामचरितमानस।

अनाशु वि. (तत्.) 1. जो आशु या तीव्र न हो, मंद, जो तेज न हो 2. अनश्वर 3. जो व्यापक न हो।